Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**3**

Seat No.	

[5502]-EXT-11

M.A. (Part I) EXAMINATION, 2019

(For External)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र-1 : सामान्य स्तर

प्राचीन तथा मध्ययुगीन काव्य

(अमीर खुसरो, जायसी, सूरदास, बिहारी और भूषण)

(2013 PATTERN)

munotes.in

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 100**

सूचनाएँ :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. अमीर खुसरो के गीतों की संवेदनशीलता को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

अथवा

पद्मावत की महाकाव्यात्मकता पर प्रकाश डालिए।

2. उपालंभ काव्य की दृष्टि से भ्रमरगीत का विवेचन कीजिए।

अथवा

बिहारी के काव्य में व्यक्त सौंदर्य-चेतना को स्पष्ट कीजिए।

3. भूषण के काव्य में चित्रित वीरत्व की भावना को विशद कीजिए।

P.T.O.

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) अमीर खुसरो की काव्य-कला

(ख) पद्मावत में प्रेमभाव

(ग) भ्रमरगीत की गोपियाँ

(घ) रीतिसिद्ध कवि बिहारी

(च) भूषण-काव्य की भाषा।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :

(क) अमीर खुसरो की मुकरियों की लोकरंजकता को स्पष्ट कीजिए।

(ख) नागमती की चारित्रिक विशेषताओं का विवेचन कीजिए।

(ग) भ्रमरगीत की भाषा पर प्रकाश डालिए।

(घ) बिहारी के शृंगारेतर काव्य का विवेचन कीजिए।

(च) भूषण के काव्य की रस-योजना को स्पष्ट कीजिए।

5. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं **दो** की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(क) आगे-आगे बहिना आई, पीछे-पीछे भइया।
दाँत निकाले बाबा आए, बुरका ओढ़े मइया॥

(ख) कुहुकि कुहुकि जसि कोइलि रोई। रकत आँसु घुंघुची बन बोई।
पै करमुखी नैन तन राती। को सिराव बिरहा दुख ताती।
जहँ जहँ ठाढ़ि होइ बनबासी। तहँ तहँ होइ घुंघुचिह्न कै रासी।
बुंद बुंद महँ जानहुँ जीऊ। कुंजा गुंजि करहिं पिउ पिऊ।
तेहि दुख डटे परास निपाते। लोहू बूड़ि उठे परभाते।
राते बिंब भए तेहि लोहू। परवर पाक फाट हिय गोहूँ।
देखिअ जहाँ सोइ होइ राता। जहाँ सो रतन कहै को बाता।

munotes.in

(ग) आए जोग सिखावन पाँड़े।

परमारथी पुराननि लादे ज्यों बनजारे टाँड़े॥

हमरा पति पति कमलनयन की जोग सिखै ते राँड़े।

कहो मधुप, कैसे समझाएँगे एक म्यान दो खाँड़े॥

कहु षटपद कैसे खेंचतु है हाथिन के सँग गाँड़े॥

काकी भूख गई बयारि भखि बिना दूध घृत माँड़े॥

काहे को झाला लै मिलवत, कौन चोर तुम डाँड़े।

सूरदास तीनों नहिं उपजत धनिया धान कुम्हाड़े॥

(घ) तजि तीरथ, हरि-राधिका-तन-दुति करि अनुरागु।

जिहिं ब्रज-केलि-निकुंज-मग पग पग होत प्रयागु॥

(च) साजि चतुरंग बीर रंग में तुरंग चढ़ि,

सरजा शिवाजी जंग जीतन चलत हैं।

'भूषन' भनत नाद बिहद नगारन के,

नदी-नद मद गब्बरन के रलत हैं।

ऐल-फैल खैल-भैल खलक मैं गैल-गैल,

गजन की ठेल-पेल सैल उलसत हैं।

तारा सो तरनि धूरि धारा में लगत जिमि,

थारा पर पारा पारावार यों हलत हैं॥

munotes.in

Total No. of Questions—5] [Total No. of Printed Pages—2

Seat No.	

[5502]-EXT-12

M.A. (Part I) EXAMINATION, 2019

(For External)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र-2 : विशेषस्तर

आधुनिक हिंदी कथा साहित्य

(उपन्यास, कहानी, नाटक और निबंध)

(2013 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 100**

सूचनाएँ :—(*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. "'कलि-कथा : वाया बाइपास' किशोरबाबू की कथा है" – स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'कलि-कथा : वाया बाइपास' की शिल्पगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

2. 'इस जंगल में' कहानी में व्यक्त आधुनिक बोध का विवेचन कीजिए।

अथवा

'वह क्या था ?' कहानी का शिल्पगत मूल्यांकन कीजिए।

3. 'अभंग गाथा' नाटक के आधार पर तुकाराम के चरित्र का विवेचन कीजिए।

अथवा

'अभंग गाथा' नाटक के संवादों की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

P.T.O.

munotes.in

4. निबंध के तत्वों की दृष्टि से "कलाकार का सत्य" का मूल्यांकन कीजिए।

अथवा

'बुद्धिजीवी' निबंध का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

5. निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(क) क्या सही है और क्या गलत है – इसका जब तक निर्णय न हो जाए, तब तक क्या बदलना है और किसे बदलना है ? और कौन करेगा यह निर्णय ?

अथवा

'मुझे विश्वास है कि तुम मेरी जन्म जन्मांतर की जननी हो, रहोगी ! मैं तुमसे दूर कहाँ जा सकता हूँ ?'

(ख) 'उनके मन में विट्ठल रह गए या रुखमा। मेरे लिए वहाँ कोई जगह नहीं रही। मैं खाली रह गई। खाली बर्तन-सी बजती रही।'

अथवा

माँ के लिए संतान उसके अहं का विस्तार और स्नेह का आधार होती है। वह अपने अहं की तुष्टि के लिए स्नेह द्वारा संतान पर अधिकार जमाना चाहती है।

munotes.in

Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**2**

Seat No.	

[5502]-EXT-13

M.A. (Part I) EXAMINATION, 2019

(For External)

HINDI

प्रश्नपत्र-3 : विशेष स्तर

(भारतीय एवं पाश्चात्य साहित्यशास्त्र)

(2013 PATTERN)

munotes.in

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 100**

सूचनाएँ :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. रस निष्पत्ति संबंधी अभिनव गुप्त की व्याख्या का विवेचन करते हुए साधारणीकरण की अवधारणा स्पष्ट कीजिए।

अथवा

रीति शब्द की परिभाषा देते हुए रीति संप्रदाय का परिचय दीजिए।

2. अलंकार सिद्धांत का विवेचन करते हुए अलंकारों का मनोवैज्ञानिक आधार स्पष्ट कीजिए।

अथवा

आचार्य क्षेमेंद्र का औचित्य विचार विशद करते हुए औचित्य के भेदों पर प्रकाश डालिए।

3. अनुकरण सिद्धांत की व्याख्या करते हुए प्लेटो और अरस्तू के अनुकरण विषयक विचारों की तुलना कीजिए।

अथवा

रिचर्डस् के मनोवैज्ञानिक मूल्यवाद और संप्रेषण सिद्धांत की समीक्षा कीजिए।

P.T.O.

4. विरेचन सिद्धांत का स्वरूप एवं महत्व पर प्रकाश डालिए।

अथवा

तुलनात्मक आलोचना और सौंदर्यशास्त्रीय आलोचना प्रणाली का महत्व स्पष्ट कीजिए।

5. निम्नलिखित विषयों में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) वक्रोक्ति के भेद

(ख) ध्वनि और शब्द-शक्ति

(ग) वस्तुनिष्ठता प्रतिरूपता सिद्धांत

(घ) अस्तित्ववाद।

munotes.in

Total No. of Questions—**5+5+5+5**] [Total No. of Printed Pages—**8**

Seat No.	

[5502]-EXT-14

M.A. (Part I) EXAMINATION, 2019

(For External)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र-4 : विशेषस्तर : वैकल्पिक

विशेष साहित्यकार अथवा विशेष विधा तथा अन्य

(2013 PATTERN)

munotes.in

महत्वपूर्ण सूचना :— निम्नलिखित में से किसी **एक** पाठ्यक्रम के प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(अ) कबीर तथा तुलसीदास

अथवा

(आ) हिंदी उपन्यास तथा हिंदी यात्रा साहित्य

अथवा

(इ) विशेष साहित्यकार : नाटककार सुरेंद्र वर्मा तथा कवि रामधारी सिंह दिनकर

अथवा

(ई) प्रयोजनमूलक हिंदी तथा हिंदी दलित साहित्य

(अ) कबीर तथा तुलसीदास

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 100**

सूचना :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. कबीर के सामाजिक विचारों का सोदाहरण विवेचन कीजिए।

अथवा

कबीर के दार्शनिक विचारों पर एक संक्षिप्त निबंध लिखिए।

2. कबीर के जीवन का संक्षेप में परिचय देकर उनके व्यक्तित्व की विशेषताएँ लिखिए।

अथवा

कबीर काव्य की प्रासंगिकता को स्पष्ट कीजिए।

3. तुलसीदास की भक्ति-भावना स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'अयोध्याकांड' की कथावस्तु संक्षेप में लिखकर उसकी विशेषताएँ बताइए।

4. भक्तिकाव्य में विनयपत्रिका का स्थान निर्धारित कीजिए।

अथवा

विनयपत्रिका का हेतु स्पष्ट करते हुए उसकी भाषा पर प्रकाश डालिए।

5. निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(क) "कबीर बादल प्रेम का, हम परि बरष्या आइ।
अंतरि भीगी आत्माँ हरी भई बनराइ॥"

अथवा

"मेरा मुझ में कुछ नहीं, जो कुछ है सो तेरा।
तेरा तुझको सौंपता, क्या लागै है मेरा॥"

(ख) "जाउँ कहाँ तजि चरत तुम्हारे।
काको नाम पतित-पावन जग, केहि अति दीन पियारे॥
कौन देव बराइ बिरद-हित हठि-हठि अधम उधारे
खग, मृग, ब्याध पषान, बिटप जड़, जवन कवन सुर तारे
देव, दनुज, मुनि, नाग, मनुज, सब, माया-बिबस बिचारे
तिनके हाथ दासतुलसी प्रभु, कहा अपनपौ हारे॥"

अथवा

"जब तें रामु ब्याहि घर आए। नित नव मंगल मोद बधाए
भुवन चारिदस भूधर भारी। सुकृत मेघ बरषहिं सुख बारी
रिधि-सिधि संपति नदी सुहाई। उमगि अवध अंबुधि कहुँआई
मनिगन पुर नर नारि सुजाती। सुचि अमोल सुंदर सब भाँती
कहि न जाइ कछु नगर बिभूती। जनुए तनिअ विरंचि करतूती
सब विधि सब पुर लोग सुखारी। रामचंद मुख चंदु निहारी॥"

munotes.in

अथवा

(आ) हिंदी उपन्यास तथा हिंदी यात्रा साहित्य

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 100**

सूचना :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. 'गोदान' उपन्यास के प्रमुख पात्रों का परिचय दीजिए।

अथवा

हिंदी के सामाजिक उपन्यासों की प्रवृत्तियों का विवेचन कीजिए।

2. औपन्यासिक तत्वों के आधार पर 'चित्रलेखा' की समीक्षा कीजिए।

अथवा

प्रेमचंदयुगीन हिंदी उपन्यास साहित्य का परिचय दीजिए।

3. यात्रा साहित्य के तत्वों के आधार पर 'सूर्य मंदिरों की खोज में' की समीक्षा कीजिए।

अथवा

यात्रा साहित्य की परिभाषाएँ देते हुए उसके तत्वों का विवेचन कीजिए।

4. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी यात्रा साहित्य की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'प्रकृति-चित्रण' यात्रा साहित्य का एक अभिन्न अंग है – कथन के परिप्रेक्ष्य में 'एक बूँद सहसा उछली' की समीक्षा कीजिए।

munotes.in

5. निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(क) "यह आदमी तो सारा कुछ मेटकर जायेगा। क्या कहेंगे लोग। जवान बेटी सर पर है। इसने तो हमें किसी ओर का नहीं छोडा। मैं भी सोचती थी कि गाँजा-भाँग, कलिया-गोश्त, छर्रा-बारूद के लिए कहाँ से आता है। आग लगे उस शोहदे की शौकीनी में।"

अथवा

"ऐसा मत बोलो .... हम भगवान कैसे होगा ? हमको आप देखेगा भगवान को भी क्या देखेगा! नहीं देखेगा ना! तो फिर गलत बात मत बोलो। भगवान भगवान होता है .... आदमी नहीं होता।"

(ख) "भिक्षुओं और तिब्बती विद्वानों से बातचीत और सत्संग के बाद मेरा तिब्बती पढने का ज्यादातर काम संस्कृत और भेट अनुवाद ग्रंथों के द्वारा ही होता रहा!"

अथवा

"उस रात मुझे लगा था कि पहाड़ों में भी साँप की आँख जैसा एक अविस्मृत, जादुई सम्मोहन होता है .... एक भुलैया-सा सौंदर्य जो एक साथ हमें आतंकित और आकर्षित करता है।"

munotes.in

अथवा

(इ) विशेष साहित्यकार : नाटककार सुरेंद्र वर्मा तथा कवि रामधारी सिंह दिनकर

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 100**

सूचना :— (*i*) **सभी** प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. भारतीय एवं पाश्चात्य दृष्टि से नाटक के तत्वों का परिचय दीजिए।

अथवा

सुरेंद्र वर्मा के नाट्यचिंतन पर प्रकाश डालिए।

2. 'सेतुबंध' के पात्रों का परिचय दीजिए।

अथवा

'आठवाँ सर्ग' नाटक के उद्देश्य का विवेचन कीजिए।

3. दिनकर के काव्य में प्रकृति-चित्रण पर प्रकाश डालिए।

अथवा

दिनकर के काव्य की प्रवृत्तियों का परिचय दीजिए।

4. 'उर्वशी' काव्य के काव्य-सौष्ठव का विवेचन कीजिए।

अथवा

'कुरुक्षेत्र' काव्य के अनुभूति-पक्ष पर प्रकाश डालिए।

munotes.in

5. निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(क) "आज जो आश्रमदाता उदार और कृपालु है, वह कल कठोर और दंड विधायक भी हो सकता है। क्या प्रभावती यह चाहेगी कि एक नवोदित कवि जिसमें विलक्षण प्रतिभा है, जिसकी यश और कीर्ति दिग-दिगंबर में गूंज सकती है, कारागार की किसी अंधेरी कोठरी में एडियाँ रगड़-रगड़ कर मर जायेगी।"

अथवा

"मुझे अपने आपको तैयार करना था .... सार संस्कारों के जाल छिन्न-भिन्न करके, मूल्यों और मर्यादाओं को तोड़कर, अपना पूरा मनोबल इकट्ठा करके मुझे आज की इस घड़ी तक पहुँचाना था .... उसके लिए दूसरी आवश्यकता थी अनिवार्य थी ....।"

(ख) "तन का अतिक्रमण, यानी मांसल आवरण हटाकर आँखों से देखना वस्तुओं के वास्तविक हृदय को, और श्रवण करना कानों से आहट उन भावों की, जो खुल कर बोलते नहीं, गोपन इंगित करते हैं।"

अथवा

"जो कुछ न्यस्त प्रकृति में है,
वह मनुज मात्र का धन है,
धर्मराज, उसके कण-कण का
अधिकार जन-जन का।"

munotes.in

अथवा

(ई) प्रयोजनमूलक हिंदी तथा हिंदी दलित साहित्य

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 100**

सूचना :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. प्रयोजनमूलक हिंदी का स्वरूप स्पष्ट कर उसके विविध रूपों पर प्रकाश डालिए।

अथवा

राजभाषा हिंदी के लिए संवैधानिक प्रावधान विशद कीजिए।

2. अनुवाद की परिभाषा देकर विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए।

अथवा

समाचार-पत्र के लिए समाचार लेखन एवं संपादन पर प्रकाश डालिए।

3. सिनेमा लेखन के सिद्धांतों को समझाइए।

अथवा

हिंदी दलित साहित्य की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए उसके प्रेरणास्रोत की जानकारी लिखिए।

4. 'गूँगा नहीं था मैं' में अभिव्यक्त दलित साहित्य की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

अथवा

पठित श्रेष्ठ दलित कहानियों के आधार पर दलित चेतना को स्पष्ट कीजिए।

munotes.in

5. निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(क) "आज हमने महिलाओं को अतिरिक्त अधिकार एवं सुविधाओं से वंचित करके अपने अंत:पुर की शोभा बनाकर अपनी भोग्या और वासनामूर्ति बनाकर ही प्रस्तुत किया।"

अथवा

"जो शिक्षा स्कूल कॉलेजों में दी जा रही है, वह किसी भी रूप में हमें राष्ट्रीय नहीं बनाती है, बल्कि कट्टर, संकीर्ण हिंदू बनाती है।"

(ख) "देख बहू-काम से नफरत ना करें, यह तो म्हारा खानदानी काम है........, यदि यह काम हम नहीं करेंगे तो भला कैसे गुजारा होगा म्हारा (हमारा)।"

अथवा

"मेरे मुँह का ग्रास
नोचते आए हैं मुझे
भूखे बाज की मानिंद
अपने नुकीले पंजों से, और
उकारते आए हैं मेरा माँस।"

munotes.in

Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**3**

Seat No.	

[5502]-EXT-15

M.A. (Part II) EXAMINATION, 2019

(For External)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र-5 : सामान्य स्तर—आधुनिक काव्य-I

(महाकाव्य, खण्डकाव्य, विशेष कवि और नई कविता)

(2013 PATTERN)

munotes.in

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 100**

पाठ्यपुस्तकें :— (*i*) कामायनी—जयशंकर प्रसाद

(*ii*) गोपा गौतम—जगदीश गुप्त

(*iii*) विशेष कवि कुँवर नारायण—

संपा. डॉ. सुरेश बाबर, डॉ. नीला बोर्वणकर

(*iv*) नई कविता—संपा. डॉ. सुरेश बाबर

डॉ. अलका पोतदार

सूचनाएँ :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. 'कामायनी' के रूपक तत्व का विवेचन कीजिए।

अथवा

'कामायनी' के आधार पर मनु का चरित्र-चित्रण कीजिए।

2. खंडकाव्य की विशेषताओं के आधार पर 'गोपा गौतम' की समीक्षा कीजिए।

अथवा

'गोपा गौतम' खंडकाव्य में चित्रित वातावरण पर प्रकाश डालिए।

3. कुँवर नारायण के काव्य की वैचारिकता को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

''कवि कुँवर नारायण की कविता भाव पक्ष की दृष्टि से एक सशक्त कविता है''— सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

4. लीलाधर जुगडी के काव्य के कथ्य पर प्रकाश डालिए।

अथवा

दामोदर मोरे के काव्य के अभिव्यक्ति पक्ष का विवेचन कीजिए।

5. ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(क) चिंता करता हूँ मैं जितनी उस अतीत की, उस सुख की,
उतनी ही अनंत में बनती जाती रेखाएँ दुख की।
आह सर्ग के अग्रदूत! तुम असफल हुए, विलीन हुए।
भक्षक या रक्षक, जो समझो, केवल अपने मीन हुए।

अथवा

भाग्य-पटल पर अब,
विधि क्या कुछ और लिखेगा ?
यशोधर का मातृ-पक्ष भी उधर दुखी था,
दीपक बिना निशीथ-भवन में कौन सुखी था ?

munotes.in

(ख) अपने खुँख्वार जबड़ों में
दबोच कर आदमी को
उस पर बैठ गया है
एक दैत्य-शहर

अथवा

चट्टानें बहुत-सी इतनी सख्त
कि एक टुकड़ा तोड़ने का मतलब है
'ब्रह्मा' का दाँत तोड़ना
और सड़क निकाल लेने का मतलब है
उसकी जीभ बाहर निकाल लेना।

munotes.in

Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**2**

Seat No.	

[5502]-EXT-16

M.A. (Part II) EXAMINATION, 2019

(For External)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र-6 : विशेषस्तर

(भाषाविज्ञान तथा हिंदी भाषा का ऐतिहासिक विकास)

(2013 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 100**

सूचनाएँ :—(*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

munotes.in

1. अर्थ परिवर्तन की दिशाओं को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

अथवा

स्थान के आधार पर व्यंजन वर्गीकरण स्पष्ट कीजिए।

2. वाक्य का स्वरूप स्पष्ट करते हुए क्रिया और अर्थ के आधार पर वाक्य के भेद लिखिए।

अथवा

रूपिम के स्वरूप और भेद का विवेचन कीजिए।

3. मध्यकालीन अपभ्रंश भाषाओं का सामान्य परिचय दीजिए।

अथवा

खड़ीबोली, ब्रज और अवधी की व्याकरणिक विशेषताएँ विशद कीजिए।

4. नागरी लिपि के उद्भव और विकास का विवेचन कीजिए।

अथवा

राजभाषा के रूप में हिंदी का स्थान एवं महत्व स्पष्ट कीजिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) स्वनिम का स्वरूप

(ख) समाज भाषाविज्ञान

(ग) हिंदी शब्द निर्माण और प्रत्यय

(घ) अर्थ बोध के साधन।

munotes.in

Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**2**

Seat No.	

[5502]-EXT-17

M.A. (Part II) EXAMINATION, 2019

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र-7 : (बहिस्थ) : विशेषस्तर

हिंदी साहित्य का इतिहास

(आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल तथा आधुनिककाल)

(2013 PATTERN)

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 100**

सूचनाएँ :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

munotes.in

1. हिंदी साहित्य के इतिहास का काल-विभाजन एवं नामकरण संबंधी विभिन्न मतों का विवेचन कीजिए।

अथवा

वीरगाथा साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियों का विवेचन कीजिए।

2. हिंदी के प्रमुख निर्गुण संतों का संक्षेप में परिचय दीजिए।

अथवा

हिंदी कृष्णकाव्य की सामान्य विशेषताएँ विशद कीजिए।

3. रीतिकालीन भक्ति, वीर तथा नीति साहित्य का परिचय दीजिए।

अथवा

रीति काव्यधारा का परिचय देते हुए कवि पद्माकर के योगदान को स्पष्ट कीजिए।

4. हिंदी नाटक साहित्य के उद्‌भव और विकास का परिचय दीजिए।

अथवा

प्रगतिवादी काव्यधारा की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) आदिकालीन नाथ साहित्य

(ख) भ्रमरगीत परंपरा

(ग) रीतिकालीन कवि मतिराम

(घ) राष्ट्रीय कवि 'दिनकर'।

munotes.in

Total No. of Questions—**5+5+5**] [Total No. of Printed Pages—**6**

Seat No.	

[5502]-EXT-18

M.A. (Part II) EXAMINATION, 2019

(For External)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र-8 : विशेषस्तर-वैकल्पिक (बहिस्थ)

(2013 PATTERN)

महत्वपूर्ण सूचना :— निम्नलिखित में से किसी **एक** पाठ्यक्रम के प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(अ) आधुनिक हिंदी आलोचना तथा अनुसंधान प्रक्रिया : स्वरूप और क्षेत्र

अथवा

(आ) अनुवाद विज्ञान तथा जनसंचार माध्यम और हिंदी

अथवा

(इ) लोकसाहित्य तथा भारतीय साहित्य

munotes.in

(अ) आधुनिक हिंदी आलोचना तथा अनुसंधान प्रक्रिया : स्वरूप और क्षेत्र

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 100**

सूचनाएँ :—(*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. आलोचना का स्वरूप स्पष्ट कर आलोचना के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

अथवा

डॉ. रामविलास शर्मा की आलोचना पद्धति का परिचय देते हुए विशेषताओं को विशद कीजिए।

2. आलोचक के गुणों की विवेचना कीजिए।

अथवा

हिंदी आलोचना में डॉ. नंददुलारे वाजपेयी जी का योगदान स्पष्ट कीजिए।

3. अनुसंधान की परिभाषा देकर उसका स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

अथवा

साहित्यिक अनुसंधान के प्रकारों का विवेचन कीजिए।

4. अनुसंधान प्रक्रिया पर प्रकाश डालिए।

अथवा

विषय चयन की प्रक्रिया लिखते हुए अनुसंधानकर्ता की योग्यता विशद कीजिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) हिंदी आलोचना में नगेंद्र का योगदान

(ख) समकालीन आलोचना की अवधारणा

(ग) साहित्येतर अनुसंधान

(घ) शोध लेखन प्रणाली में अध्ययन विभाजन।

munotes.in

अथवा

(आ) अनुवाद विज्ञान तथा जनसंचार माध्यम और हिंदी

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 100**

सूचनाएँ :—(*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. अनुवाद स्वरूप को समझाते हुए उसके प्रकारों का विवेचन कीजिए।

अथवा

अनुवाद और भाषाविज्ञान के संबंधों को स्पष्ट करते हुए रूपविज्ञान और अर्थविज्ञान का विवेचन कीजिए।

2. कम्प्यूटर अनुवाद की आवश्यकता को समझाते हुए उसकी समस्याओं का विवेचन कीजिए।

अथवा

वैज्ञानिक अनुवाद का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसकी समस्याओं पर प्रकाश डालिए।

3. जनसंचार का स्वरूप और वैश्विकीकरण की प्रक्रिया को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

जनसंचार माध्यम और हिंदी साहित्य के संबंध पर प्रकाश डालिए।

munotes.in

4. जनसंचार माध्यमों के संदर्भ में हिंदी भाषा के विविध रूपों का परिचय दीजिए।

अथवा

संपादन कला के सामान्य सिद्धांतों का परिचय दीजिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) वैज्ञानिक और तकनीकी सामग्री का अनुवाद

(ख) अनुवाद समीक्षा

(ग) समाचार के विभिन्न स्रोत

(घ) समकालीन साहित्यिक पत्रकारिता।

munotes.in

अथवा

(इ) लोकसाहित्य तथा भारतीय साहित्य

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 100**

सूचनाएँ :—(*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

munotes.in

1. 'लोकसाहित्य' की परिभाषा लिखते हुए उसकी विशेषताओं का विवेचन कीजिए।

अथवा

लोकसाहित्य का मानव विज्ञान तथा समाज विज्ञान से परस्पर संबंध स्पष्ट कीजिए।

2. लोकसाहित्य संकलनकर्ता की क्षमताओं को लिखते हुए उसके लिए उपयुक्त साधन सामग्री का परिचय दीजिए।

अथवा

लोकगीतों के वर्गीकरण की पद्धतियों को स्पष्ट कीजिए।

3. "भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिंब दिखाई देता है।" सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'बारोमास' उपन्यास की समीक्षा कीजिए।

4. 'नागमंडल' नाटक की संवाद-योजना का विवेचन कीजिए।

अथवा

'खानाबदोश' की कथावस्तु का परिचय दीजिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) विवाह और गौने के लोकगीत

(ख) नल-दमयंती

(ग) 'नागमंडल' का नायक

(घ) खानाबदोश का शीर्षक।

munotes.in